CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

□ वर्ष- 29 □ अंक- 143 □ रायपुर, मंगलवार 16 जून 2026 □ पृष्ठ-8 □ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

नया शैक्षणिक सत्र शुरू

स्कूलों में लौटी रौनक, छात्रों का तिलक लगाकर किया स्वागत

सप्रे शाला स्कूल में मनाया गया प्रवेश उत्सव

रायपुर, 16 जून (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के सभी शासकीय और अशासकीय स्कूलों में आज से ग्रीष्मकालीन अवकाश खत्म होने के बाद नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत हो गई है। साथ ही 27 जून तक शाला प्रवेश उत्सव मनाया जाएगा। विद्यार्थियों का तिलक लगाकर और किताबें भेंट कर स्वागत किया गया। शाला प्रवेश उत्सव का 30 जून को मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और स्कूल शिक्षा मंत्री समेत कई जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। संभाग स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में विद्यार्थियों को गणवेश, पाठ्यपुस्तकें और साइकिलों का वितरण किया जाएगा।

छात्रों का तिलक लगाकर हुआ स्वागत: राजधानी रायपुर समेत प्रदेशभर के स्कूलों में आज फिर रौनक लौटी है। गर्मी छुट्टियों के बाद पहले दिन विद्यालय पहुंचने वाले छात्र-छात्राओं का शिक्षकों द्वारा तिलक लगाकर स्वागत किया गया। साथ ही उन्हें किताबें भी भेंट की गई। पहली बार स्कूल पहुंचे नौनिहालों के लिए यह दिन ख़ास तौर पर यादगार रहा।

सीएम विष्णु देव साय ने मन लगाकर पढ़ाई करने का किया आग्रह

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 16 जून से नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ के अवसर पर प्रदेश के विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें पूरी लगन और उत्साह के साथ पढ़ाई करने का संदेश दिया है. मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा प्राप्त करने का स्थान नहीं, बल्कि आप सभी बच्चों के सपनों को आकार देने और उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने का माध्यम है. उन्होंने बच्चों से पूरे आत्मविश्वास, अनुशासन और उत्साह के साथ नियमित रूप से विद्यालय जाने तथा मन लगाकर पढ़ाई करने का आग्रह किया.मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का परिश्रम और शिक्षा ही आने वाले समय में बच्चों की सफलता का आधार बनेगी. उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़ने तथा ज्ञान, संस्कार और व्यक्तित्व विकास के माध्यम से प्रदेश और देश के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया. उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ के बच्चे अपनी प्रतिभा, मेहनत और संकल्प के बल पर भविष्य में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे तथा प्रदेश का नाम गौरवान्वित करेंगे। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के सफल, उज्ज्वल और प्रेरणादायी भविष्य की कामना की।

डीएमएफ घोटाला मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

रायपुर समेत 5 जिलों में छापेमारी, कारोबारी शाश्वत लुणावत के घर भी पहुंची टीम

रायपुर, 16 जून (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की बड़ी कार्रवाई ने राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में हलचल मचा दी है। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में मंगलवार को ईडी ने एक साथ छापेमारी की कार्रवाई शुरू की। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) से जुड़े कथित घोटाले की जांच के सिलसिले में की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक ईडी की टीमों ने रायपुर, दुर्ग, धमतरी, अंबिकापुर और महासमुंद सहित प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर दबिश दी है। प्रदेशभर में करीब नौ ठिकानों पर छापेमारी की। चर्चा है। कार्रवाई के बाद कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और वित्तीय लेन-देन से जुड़े तथ्यों के सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

राजधानी रायपुर के वल्लभ नगर स्थित कारोबारी शाश्वत लुणावत के निवास पर भी ईडी की टीम ने सुबह से जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार पांच अधिकारियों की टीम कई घंटों से घर के भीतर दस्तावेजों और अन्य रिकॉर्ड की पड़ताल कर रही है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई डीएमएफ घोटाले से जुड़े पहलुओं की जांच के तहत की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि शाश्वत लुणावत प्रदेश के एक प्रतिष्ठित परिवार से जुड़े हैं और राज्य में विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार संचालित करते हैं। ईडी की जांच केवल उनके निवास तक सीमित नहीं है, बल्कि उनसे जुड़े अन्य ठिकानों पर भी छापेमारी की कार्रवाई जारी है। हालांकि ईडी की ओर से फिलहाल आधिकारिक रूप से कार्रवाई के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है, लेकिन प्रदेशभर में चल रही इस बड़ी कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। माना जा रहा है कि जांच पूरी होने के बाद कई महत्वपूर्ण खुलासे सामने आ सकते हैं।

ईडी ने ठेकेदार के धमतरी आमापारा स्थित निवास पर की छापेमारी

दो गाड़ियों मे पहुंची टीम, सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ जवान भी रहे तैनात

धमतरी, 16 जून (हाईवे चैनल)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज मंगलवार को धमतरी में बड़ी कार्रवाई करते हुए ठेकेदार दीपेश गांधी के आमापारा स्थित निवास पर छापेमारी की। सुबह से ही ईडी की टीम दस्तावेजों और वित्तीय रिकॉर्ड की जांच में जुटी रही, जबकि सुरक्षा हेतु सीआरपीएफ जवान तैनात रहे।

बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई भारतमाला परियोजना के तहत रायपुर-विशाखापट्टनम आर्थिक कॉरिडोर प्रोजेक्ट मे हुए घोटाले के तहत हो सकती है लेकिन समाचार लिखें जाने तक जांच टीम द्वारा किसी प्रकार की सूचना नहीं दी गई है की किस मामले के तहत टीम जाँच के लिए पहुंची है.लगभग 5 घंटे से अधिक समय से जाँच जारी थी.टीम दो गाड़ियों मे पहुंची है जिसमे 6 से 8 अधिकारी हो सकते हैँ. टीम द्वारा सुबह से दस्तावेज खंगाले जा रहे है.घर मे मौजूद लोगो के मोबाइल भी कार्यवाही तक जप्त किये गए. घर मे किसी के भी आने-जाने पर रोक रही। उल्लेखनीय है कि भारत माला प्रोजेक्ट जे तहत भूमि अधिग्रहण और मुआवजा वितरण में अनियमितताओं की जांच के दौरान ई डी पूर्व मे कई छापे मार चुकी है।

निशानेबाज जसपाल राणा के परिवार से दुखद खबर आई सामने, मां का निधन, बेटे के जाने का गम नहीं सह पाई

नई दिल्ली, 16 जून (न्यूज चैनल)। भारतीय निशानेबाजी जगत के दिग्गज खिलाड़ी और कोच जसपाल राणा के परिवार से एक और दुखद खबर सामने आई है। बेटे के निधन के गम से उबर नहीं पाने के बाद उनकी मां श्यामा देवी राणा का भी निधन हो गया। उन्होंने दिल्ली के एक आर्मी अस्पताल में अंतिम सांस ली। द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित नारायण सिंह राणा की धर्मपत्नी श्यामा देवी राणा (78 वर्ष) का नई दिल्ली के अस्पताल में इलाज चल रहा था। 12 जून को जसपाल राणा के निधन के बाद उनकी मां की स्थिति और बिगड़ गई थी। आज उनका निधन हो गया। जिससे शोक संतप्त परिवार पर फिर से दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बता दें कि उत्तराखंड टिहरी जिले के चिलामू गांव निवासी जसपाल राणा भारत के पिस्टल निशानेबाजों के लिए हाई-परफॉर्मेंस कोच के रूप में कार्यरत थे।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला: 90 दिनों के भीतर आरोप पत्र नहीं सौंपा जाता, तो शासकीय कर्मचारी का निलंबन स्वत: माना जाएगा समाप्त

बिलासपुर, 16 जून (हाईवे चैनल)। हाईकोर्ट ने एक मामले में फैसला दिया है कि यदि किसी शासकीय सेवक को निलंबित करने के 90 दिनों के भीतर आरोप पत्र नहीं सौंपा जाता है या उसके निलंबन की अवधि को कानूनी रूप से आगे नहीं बढ़ाया जाता, तो ऐसा निलंबन कानूनन स्वत: ही समाप्त माना जाएगा। जस्टिस बीडी गुरु की सिंगल बेंच ने लोक निर्माण विभाग के एक निलंबित अधिकारी की याचिका स्वीकार करते हुए निलंबन आदेश को निरस्त कर दिया।

दरअसल, छग के उत्तर बस्तर कांकेर के आरईएस. कॉलोनी निवासी एमके खरे को लोक निर्माण विभाग में पदस्थापना के दौरान राज्य शासन ने 9 जनवरी 2026 को निलंबित कर दिया था। तय समय-सीमा बीत जाने के बाद भी विभाग ने न उन्हें चार्जशीट दी गई और न ही निलंबन बढ़ाने का कोई आदेश जारी किया। खरे ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर निलंबन समाप्त करने की मांग की। याचिका में तर्क दिया कि सिविल सेवा नियम 1966 के नियम 9(5) (ए) के अनुसार, किसी भी सरकारी कर्मचारी को निलंबित करने के 90 दिनों के भीतर चार्जशीट जारी करना अनिवार्य है। यदि विभाग ऐसा करने में विफल रहता है, तो कर्मचारी स्वत: ही सेवा में बहाली का हकदार हो जाता है। इस मामले में विभाग ने नियमों का खुला उल्लंघन किया है। कोर्ट ने तर्कों से सहमति जताते हुए याचिका स्वीकार ली।

ब्रेकिंग न्यूज

पूर्व उपसरपंच ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, तालाब किनारे पेड़ से लटका मिला शव

दुर्ग, 16 जून (हाईवे चैनल)। दुर्ग जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां सेलुद गांव के पूर्व उपसरपंच तारेंद्र बंछोर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, रोजमर्रा की तरह लोग आज भी चारबांधा तालाब के पास टहलने निकले थे। इसी दौरान तालाब के समीप स्थित मंदिर परिसर के एक पेड़ पर रस्सी के सहारे तारेंद्र बंछोर का शव लटका हुआ दिखाई दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना उतई थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाया। इसके बाद मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि तारेंद्र लंबे समय से बीमार चल रहे थे। पिछले कुछ महीनों से वे अस्पताल में भर्ती भी थे। पिछले दिनों ही अस्पताल से छुट्टी लेकर घर पहुंचे थे। इसके बाद आज उन्होंने आत्महत्या कर ली। फिलहाल, उतई पुलिस ने घटना की सूचना परिजनों को दे दी है और मामले की विवेचना की जा रही है।

गली में खून से लथपथ मिली युवक की लाश, बेरहमी से हत्या के बाद फैली सनसनी

बिलासपुर, 16 जून (हाईवे चैनल)। सिरगिट्टी थाना क्षेत्र के नया पारा स्थित गणेश नगर में मंगलवार सुबह एक युवक का खून से सना शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सड़क के बीचोंबीच शव पड़े होने की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस भी घटनास्थल पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस की प्रारंभिक जांच में मृतक की पहचान गणेश नगर निवासी 26 वर्षीय इरफान बघीरा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सुबह जब लोग अपने घरों से बाहर निकले तो उन्होंने गली के बीच युवक का शव पड़ा देखा। शव के आसपास काफी मात्रा में खून फैला हुआ था, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। मौके की जांच के दौरान पुलिस को शव के पास खून से सने दो बड़े कंक्रीट ब्लॉक मिले हैं। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि हमलावरों ने इन्हीं भारी ब्लॉकों से युवक पर हमला किया। माना जा रहा है कि कमर के आसपास गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौत हुई। पुलिस फिलहाल इस मामले को हत्या के रूप में देख रही है। अधिकारियों के अनुसार वारदात देर रात हुई प्रतीत होती है, लेकिन मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना के बाद पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। साथ ही घटनास्थल और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों तक पहुंचा जा सके। पुलिस का कहना है कि जांच के सभी पहलुओं पर काम किया जा रहा है और जल्द ही मामले का खुलासा करने का प्रयास किया जाएगा।

पीएम बोले- ब्रातिस्लावा में बनारस का कनेक्शन! कलाकारों की सराहना भी की

नई दिल्ली, 16 जून (न्यूज चैनल)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्लोवाकिया दौरे के दौरान राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी के साथ ब्रातिस्लावा में वाराणसी पर आधारित विशेष कला प्रदर्शनी देखी। स्लोवाकियाई कलाकारों की कृतियों में बनारस की संस्कृति और विरासत को दर्शाया गया था। पीएम मोदी ने इसे भारत-स्लोवाकिया सांस्कृतिक संबंधों का प्रतीक बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्लोवाकिया की अपनी दो दिनों की ऐतिहासिक यात्रा पूरी कर ली है। साल 1993 में स्लोवाकिया की आजादी के बाद यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला दौरा था। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, शिक्षा और रोजगार जैसे कई अहम क्षेत्रों में बड़े समझौते हुए। दोनों देशों ने अपने रिश्तों को अब 'व्यापक साझेदारी' का दर्जा दिया है।

अपनी इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी के साथ राजधानी ब्रातिस्लावा के राष्ट्रपति महल में एक खास प्रदर्शनी देखी। इस प्रदर्शनी का मुख्य केंद्र भारत का प्राचीन और पवित्र शहर वाराणसी (बनारस) था। इसमें उन स्लोवाकियाई कलाकारों की कलाकृतियां शामिल थीं, जिन्होंने हाल ही में वाराणसी की यात्रा की थी। कलाकारों ने अपनी कला के जरिए बनारस की खूबसूरती और वहां की संस्कृति को कैनवास पर उतारा था। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर इस अनुभव को साझा करते हुए इसे ब्रातिस्लावा में बनारस का जुड़ाव बताया। पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा ब्रातिस्लावा में बनारस से जुड़ाव! कल ब्रातिस्लावा के राष्ट्रपति भवन में, राष्ट्रपति पेलेग्रिनी और मैंने वाराणसी पर केंद्रित एक आकर्षक प्रदर्शनी देखी, जिसमें उन स्लोवाक कलाकारों की कृतियां शामिल थीं जिन्होंने हाल ही में वाराणसी का दौरा किया था। कला और संस्कृति में लोगों को करीब लाने की अद्भुत क्षमता होती है। इस प्रदर्शनी में प्रदर्शित सभी कलाकारों को मेरी हार्दिक बधाई।

भारत में टेलीग्राम पर अस्थायी रोक- नीट री-एग्जाम से पहले केंद्र सरकार का बड़ा फैसला, 22 जून तक पाबंदियां

नई दिल्ली, 16 जून (न्यूज चैनल)। केंद्र सरकार ने मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर अस्थायी रूप से रोक लगाने का फैसला किया है। नीट 2026 की पुनर्परीक्षा के चलते सरकार ने यह कदम उठाया है। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट (यूजी) 2026 की पुनर्परीक्षा से पहले केंद्र सरकार द्वारा मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने के फैसले का स्वागत किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने निर्देश जारी कर भारत में टेलीग्राम की सेवाओं पर 22 जून 2026 तक अस्थायी रोक लगाने को कहा है। यह कदम 21 जून को आयोजित होने वाली नीट (यूजी) 2026 पुनर्परीक्षा की निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

एनटीए ने बताया किस वजह से टेलीग्राम पर लगाई गई रोक: एनटीए का मानना है कि परीक्षा से जुड़े प्रश्नपत्रों, अफवाहों, फर्जी सूचनाओं के प्रसार को रोकने में यह फैसला मददगार साबित होगा। एजेंसी ने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। एनटीए के अनुसार, हाल के वर्षों में विभिन्न प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के दौरान सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से गलत सूचनाओं और परीक्षा सामग्री के कथित प्रसार की घटनाएं सामने आई थीं। ऐसे में एहतियाती कदम के तौर पर यह फैसला लिया गया है।

पुनर्परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों से एनटीए ने अपील की है कि वे केवल आधिकारिक वेबसाइट और अधिकृत सूचना माध्यमों पर ही भरोसा करें तथा किसी भी अपुष्ट जानकारी या अफवाह से बचें।

टेलीग्राम की संदेश संपादित करने की सुविधा पर 30 जून तक रहेगी रोक: एनटीए द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट 2000 की धारा 69ए के तहत टेलीग्राम पर अस्थायी रूप से रोक लगाई गई है और यह रोक 22 जून 2026 तक जारी रहेगी। एक अन्य आदेश के तहत टेलीग्राम को भारत में पहले से भेजे गए संदेशों को संपादित करने की सुविधा 30 जून 2026 तक बंद करनी होगी। इसका उद्देश्य उस सुविधा का दुरुपयोग रोकना है, जिसके जरिए राष्ट्रीय परीक्षाओं के बाद नकली पेपर लीक के सबूत तैयार किए जाते थे। इन दोनों कदमों का उद्देश्य सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना और उन संगठित गिरोहों पर रोक लगाना है जो नीट (यूजी) 2026 की पुन: परीक्षा देने वाले छात्रों को धोखा देने के लिए टेलीग्राम का उपयोग कर रहे थे।

राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी- बेहिसाब चढ़ावा, असीमित गबन भाग रहे जिम्मेदार; अब 200 करोड़ के घपले की चर्चा

नई दिल्ली, 16 जून (न्यूज चैनल)। श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के चढ़ावे में हेरफेर व गबन के मामले में ट्रस्ट के बड़े पदाधिकारी सवालों के घेरे में हैं। कई पर सीधे आरोप हैं तो कइयों की लापरवाही उजागर हुई है। जिनकी नाक के नीचे ये सब हुआ और उनको भनक तक नहीं लगी। अब सवाल है कि ट्रस्ट में इनके रहते हुए क्या निष्पक्ष जांच मुमकिन है। क्योंकि ट्रस्ट के पदाधिकारी पॉवरफुल और ऊंची पहुंच वाले भी हैं।

ट्रस्ट में कई बड़े पदाधिकारी हैं, जिनकी जिम्मेदारी मंदिर की व्यवस्थाओं से लेकर चढ़ावे की राशि की गिनती कराने तक रहती है। इसमें चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव समेत कई पदाधिकारी शामिल हैं। इसके बावजूद चढ़ावे की रकम का गबन होना कई सवाल खड़े कर रहा है। जिम्मेदार भी सवालों के घेरे में हैं। ये सभी जिम्मेदार घटना के उजागर होने के बाद से खामोश हैं। एक भी पदाधिकारी की तरफ से इस संबंध में आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया। अब सवाल है कि जिन पर सवाल हैं, क्या उनके रहते एसआईटी निष्पक्षता से जांच कर पाएगी। क्योंकि ट्रस्ट के पदाधिकारियों से सवाल-जवाब करना इतना आसान नहीं होगा। वहीं जिन लोगों पर सीधे आरोप हैं, वे भी कहीं न कहीं किसी पदाधिकारी या उनके करीबी लोगों से जुड़े हुए हैं। एसआईटी के सामने इस तरह की कई बड़ी चुनौतियां भी हैं। मामले में पांच संदिग्ध पकड़े गए थे।

बिरादरी की बात

चूहा- सुनती हो, अमेरिका-ईरान शांति समझौते पर सहमत हो गए हैं।
चुहिया- हां जी, लेकिन ट्रंप का ढुलमुल दिमाग कभी भी पलटी मार देता है।